फसल अवशेष प्रबंधन पर जागरूकता अभियान

❑ किसानों ने फसल अवशेष नहीं जलाने का लिया संकल्प

कार्यक्रम को सम्बोधित करते कृषि वैज्ञानिक।

कानपुर, 18 नवम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम पांडेय निवादा में फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों को बताया कि किसान भाई पराली को खेतों में मिलाएं तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं एवं अपनी पराली में बिल्कुल भी आग न लगाएं । जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है एवं आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है। इस अवसर पर डॉ शशीकांत ने बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं। जो खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ उस में उत्पादित उपज की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं। इसी क्रम में वैज्ञानिक डॉ. निमिषा अवस्थी द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें हैं जो पराली को आसानी से खेत में मिला सकते हैं तथा वेस्ट डी कंपोजर द्वारा फसल कम समय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल बोई जा सकती है। यह मशीनें हैप्पी सीडर,सुपर सीडर एवं मल्चर आदि है। खेती किसानी, पशुपालन तथा बागवानी से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम के अंत में गांव में एक फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता रैली भी निकाली गई। जिसमें किसानों ने शपथ ली कि फसल अवशेषों को आग नहीं लगाएंगे। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक रामआसरे राजपूत, छुन्ना, राम शंकर, सियाराम एवं मुन्नीलाल सहित एक सैकड़ा किसान उपस्थित रहे।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:270 | देहरादून, शुक्रवार, 18 नवंबर, 2022 | पृष्ठ:08

फसल अवशेष प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम पांडेय निवादा में फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों को बताया कि किसान भाई पराली को खेतों में मिलाएं तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं एवं अपनी पराली में बिल्कुल भी आग न लगाएं जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है एवं आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है इस अवसर पर डॉ शशीकांत ने बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं जो खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ–साथ उस में उत्पादित उपज की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं इसी क्रम में वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें हैं जो पराली को आसानी से खेत में मिला सकते हैं तथा वेस्ट डी कंपोजर द्वारा फसल कम समय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल बोई जा सकती है यह मशीनें हैप्पी सीडर,सुपर सीडर एवं मल्चर आदि है इस कार्यक्रम में गांव के किसानों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं खेती किसानी, पशुपालन तथा बागवानी से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान भी किया कार्यक्रम के अंत में गांव में एक फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता रैली भी निकाली गई जिसमें किसानों ने शपथ ली कि फसल अवशेषों को आग नहीं लगाएंगे इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक रामआसरे राजपूत, छुन्ना, राम शंकर, सियाराम एवं मुन्नीलाल सहित एक सैकड़ा किसान उपस्थित रहे।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

राहुल गांधी को इंदौर में बम से उड़ाने की... 12

काशी-तमिल संगमम में भाग लेने आये तमिलनाडु... 10

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 39
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper

शनिवार | 19 नवम्बर, 2022

पराली न जलाने के लिए किसानों को किया जागरूक

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम पांडेय निवादा में बीते दिन शुक्रवार को फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने किसानों को बताया कि पराली को खेतों में मिलाकर अपने खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं। उन्होंने बताया कि किसान अपनी पराली में आग न लगाएं क्योंकि इससे पर्यावरण प्रदूषित होता है और आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है। डॉ. शशीकांत ने बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं। वैज्ञानिक डॉ. निमिषा अवस्थी द्वारा बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें पराली को आसानी से खेत में मिला सकती हैं। उन्होंने हैप्पी सीडर,सुपर सीडर एवं मल्चर आदि मशीनों की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में गांव में एक फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता रैली भी निकाली गई। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक रामआसरे राजपूत, छुन्ना, राम शंकर, सियाराम एवं मुन्नीलाल मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सहारा कानपुर 19/11/2022

किसानों ने फसल अवशेष न जलाने की ली शपथ

कानपुर(एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र दलीपनगर के तत्वावधान में शुक्रवार को फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम पांडेय निवादा में आयोजित कार्यक्रम के मौके पर किसानों ने फसल अवशेषों कों न जलाने की शपथ ली व कहा कि अब हम फसल अवशेषों को नहीं जलायेंगे।

पांडेय निवादा गांव में फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम व रैली का आयोजन

केन्द्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने कृषकों को बताया कि किसान भाई पराली को खेतों में मिलायें तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ायें एवं पराली में बिल्कुल भी आग न लगायें। इससे पर्यावरण प्रदूषण के साथ ही खेतों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है। डॉ. शशिकांत ने कहा कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं। यह खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ ही उसमें उत्पादित उपज की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं। डॉ. निमिषा अवस्थी ने फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित मशीनों की जानकारी दी, जो पराली को काटकर आसानी से खेतों में मिला सकते हैं। उन्होंने कहा कि वेस्ट डी-कंपोजर द्वारा फसल अवशेषों को कम समय में सड़ाकर खाद बनाने के साथ ही आगामी फसल बोई जा सकती है। उन्होंने हैप्पी सीडर, सुपर सीडर व मल्जर जैसे मशीनों के कार्य को लेकर किसानों को जागरूक किया।

इस अवसर पर किसानों की खेती-किसानी, पशुपालन तथा बागवानी से संबंधित शंकाओं का समाधान भी किया गया। गांव में फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता रैली भी निकाली गई। इस दौरान किसानों ने फसल अवशेषों को न जलाने की शपथ ली। आयोजन में प्रगतिशील किसान राम आसरे राजपूत, छुन्ना, राम शंकर, सियाराम व मुन्नी लाल सहित गांव के अन्य किसानों ने उत्साह के साथ भागीदारी की।